NEW ERA AGRICULTURE MAGAZINE

लीची में लगने वाले विल्ट रोग को कैसे करे प्रबंधित?

डॉ दयानंद शुक्ल, प्रोफेसर (डॉ) एस.के.सिंह, चहक टंडन, विशाल तिवारी

परिचय –

लीची के फल अपने आकर्षक रंग, स्वाद और गुणवत्ता के कारण भारत में भी नही बल्कि विश्व में अपना विशिष्ट स्थान बनाए हुए है। लीची उत्पादन में भारत का विश्व में चीन, ताइवान के बाद तीसरा स्थान है। पिछले कई वर्षो में इसके निर्यात की अपार संभावनाएं विकसित हुई हैं, परन्तु अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बड़े एवं समान आकार तथा गुणवत्ता वाले फलों की ही अधिक मांग है। इसकी खेती के लिए एक विशिष्ट जलवायु की आवश्यकता होती है, जो सभी स्थानों पर उपलब्ध नहीं है। लीची देश की एक महत्वपूर्ण फल फसल है जिसमें जबरदस्त घरेलू बाजार और निर्यात की क्षमता है।वर्ष 2020-21 के आंकड़े के अनुसार भारत में 98 हजार हेक्टेयर में लीची की खेती हो रही है, जिससे कुल 7206 हजार मैट्रिक टन उत्पादन होता है,जबकि बिहार में लीची की खेती 32 हजार हेक्टेयर में होती है जिससे 300 मैट्रिक टन लीची का फल प्राप्त होता है। बिहार में लीची की उत्पादकता 8टन/हेक्टेयर है जबकि राष्ट्रीय उत्पादकता 7.4 टन /हेक्टेयर है।

संभावित उत्पादकता 14-15 टन / हेक्टेयर के बीच व्यापक अंतर मौजूद है। लीची भारत के उत्तरी बिहार, त्रिपुरा , पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड में देहरादून एवं पिथौरागढ़, असम और झारखंड में राँची एवं पूर्वी सिंहभूम में इसकी खेती होती है ।

बिहार कुल लीची का 40% उत्पादन करता है और भारत में लगभग 38% क्षेत्र पर कब्जा करता है। हमारे देश में लीची के फल 10 मई से लेकर जुलाई के अंत तक मिलते हैं एवं उपलब्ध रहते है। सबसे पहले लीची के फल त्रिपुरा में पक कर तैयार होते है। इसके बाद क्रमश: राँची एवं पूर्वी सिंहभूम (झारखंड),

डॉ दयानंद शुक्ल, प्रोफेसर (डॉ) एस.के.सिंह, चहक टंडन, विशाल तिवारी,

[1]पादप रोग विभाग डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय पूसा, समस्तीपुर - 848 125

[2]प्रोफेसर (डॉ) एस.के.सिंह ,पादप रोग विभाग डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय पूसा, समस्तीपुर - 848125

[3,4]परस्नातक छात्र उद्यान विभाग डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या।

मुर्शीदाबाद (पं. बंगाल), मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर (बिहार), उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र, पंजाब, उत्तरांचल के देहरादून एवं पिथौरागढ़ की घाटी में फल पक कर तैयार होते है। बिहार की लीची अपनी गुणवत्ता के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी प्रसिद्ध हैं। लीची के फल पोषक तत्वों से भरपूर एवं स्फूर्तिदायक होते है।